HALF YEARLY EXAMINATION : 2024-25
CLASS : XI (ISC)
HINDI

(Maximum Marks: 80)
(Time allowed: 3 hours)

Candidates are allowed an additional ***15 minutes*** *for only reading the paper.*
They must ***NOT*** *start writing during this time.*
Answer questions ***1, 2*** *and* ***3*** *in* ***Section 'A'*** *and* ***four*** *questions from* ***Section 'B'*** *on any* ***three*** *out of the four prescribed textbooks.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION 'A' [40 Marks]
LANGUAGE

Question 1

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any one of the topics given below : [15]

किसी एक विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए, जो 400 शब्दों से कम न हो :–

(i) धार्मिक स्थल हमारी श्रद्धा एवं विश्वास के प्रतीक हैं। इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(ii) संगीत मन की अभिव्यक्ति है। बताइए, वर्तमान संगीत मानव मन की किन भावनाओं का परिचायक है।

(iii) वृक्ष अपने काटने वालों को भी छाया, फल और लकड़ी देता है। प्रस्तुत पंक्ति को आधार बनाकर एक लेख लिखिए।

(iv) 'उपहार देना प्यार जताने और सम्मान करने का परिचायक है पर वर्तमान में उपहार का स्वरूप प्यार कम, व्यापार अधिक हो गया है।' इसे कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(v) अनेकता में एकताः भारत की विशेषता।

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक पर मौलिक कहानी लिखिए–

(a) 'विद्या धन सब धनन में सदा रह्यो सिरमौर।'

(b) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए, जिसका अंतिम कथन हो– काश! उस दिन मैंने अपने दिल की सुन ली होती।

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi :

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए :–

किसी नगर में दो सेठों के दो धनी पुत्र रहते थे। दोनों अपने–अपने पिता के धन के उत्तराधिकारी होने के कारण अपने को एक–दूसरे से अधिक धनी समझते थे।

संयोग से एक दिन एक तंग रास्ते पर आते हुए दोनों का आमना–सामना हो गया। दोनों में से एक भी थोड़ा अलग हटकर दूसरे को रास्ता देने को तैयार न था। प्रतिष्ठा का प्रश्न पैदा हो गया।

अंत में एक ने दूसरे से कहा– "पिता के धन से धनी होने का अहंकार मत करो। उसके बल पर अपनी प्रतिष्ठा मत समझो। बड़प्पन स्वयं के धनोपार्जन करने तथा सत्कर्म से आता है, इसलिए स्वयं धन अर्जित करके दिखाओ।"

दूसरे ने तत्काल उत्तर दिया– "तुम्हारा धन भी तो तुम्हारे पिता द्वारा अर्जित है। तुमने कौन–सी कमाई की है। तुम भी उसी का गर्व कर रहे हो। तुम क्यों नहीं मार्ग से हट रहे हो?"

पहले ने कहा– "बात तो तुम्हारी अक्षरशः ठीक है। धन तो मैंने नहीं कमाया, लेकिन उसका गर्व भी कभी नहीं किया, पर आज इस समय तुम्हें यह कहने का अवसर तो मिल ही गया, इसलिए चलो, हम दोनों अपने–अपने पुरुषार्थ से धनार्जन करते हैं। बारह वर्ष धन कमाकर लौटेंगे। जो अधिक धन कमाकर लाएगा दूसरा आजीवन अधिक धन वाले का दास बनकर रहेगा। यह शर्त मंजूर है?" दूसरे ने कहा– "तुम्हारी यह शर्त मुझे मंजूर है, मैं सहमत हूँ।"

दोनों शर्तनामा लिखकर, हस्ताक्षर कर और उस शर्त–पत्र को राजा को देकर बोले– "महाराज! हम दोनों धनार्जन के लिए जा रहे हैं। बारह वर्ष बाद लौटकर जब आएँगे, तो इसमें लिखी शर्त को मानने के लिए हम प्रतिबद्ध रहेंगे। इसमें से जो शर्त का उल्लंघन करेगा वह राज–दंड का भागी होगा।" राजा को वह शर्तनामा देकर दोनों अपनी–अपनी दिशा को धनार्जन हेतु चल पड़े।

पहला अपने को निराश्रित समझकर काम में जुट गया। उसने अपने पिता की प्रतिष्ठा से अपने को कहीं नहीं जोड़ा। किसी सेठ के यहाँ कुछ दिन नौकरी की, व्यवसाय के तौर–तरीकों को समझा। बहुत ही मितव्ययी होकर अपने वेतन का अधिकांश भाग बचाता रहा। अपनी थोड़ी सी बचत–पूँजी से उसने स्वयं अपना व्यवसाय शुरू किया। लगन, ईमानदारी तथा परिश्रम से अपने व्यापार को बढ़ाया। धीरे–धीरे व्यवसाय जगत् में उसने अपने बल पर प्रतिष्ठा अर्जित की। बारह वर्ष के अंदर ही उसकी गणना सफल व्यापारियों में होने लगी।

दूसरा सेठ–पुत्र धनार्जन हेतु गया तो, परंतु उसके संकल्प में दृढ़ता का अभाव था। विषयों की लोलुपता के कारण वह प्रमाद में डूबा रहा। नौकरी में अपने काम को ठीक से न करने के कारण, एक जगह टिक कर नौकरी भी न कर सका। अपव्यय करता रहा। घर पर था तो पिता के धन पर मौज करता था, उसने कभी उनके व्यवसाय में हाथ न बँटाया था।

इस तरह बारह वर्ष बीत गए। दोनों बारह वर्ष बाद राजदरबार में उपस्थित हुए। पहले वाले के धनाढ्य होने की प्रतिष्ठा राजा तक पहले ही पहुँच चुकी थी। दूसरे के बारे में राजा को कुछ ज्ञात न था, अतः राजा ने दूसरे से विगत बारह वर्षों के विषय में प्रश्न किया। दूसरा नतमस्तक होकर मौन खड़ा रहा।

शर्त के अनुसार दूसरे को पहले वाले के यहाँ दास के रूप में रहने का दंड मिला। एक दिन जिसके सामने वह अकड़कर रास्ता देने को तैयार नहीं हुआ, अब उसी के सामने हाथ जोड़कर खड़े रहने तथा गुलामी करने को वह विवश था। श्रम से जी चुराकर प्रमाद में पड़कर उसने अपने जीवन के अमूल्य बारह वर्ष व्यर्थ में गँवा दिए, उसी के फलस्वरूप उसे अपमानित और लज्जित होकर जीवन बिताना पड़ा।

i) दोनों सेठ पुत्रों का सामना कहाँ हुआ था ? दोनों में किस बात पर विवाद हो गया ? [3]

ii) पारिवारिक प्रतिष्ठा को अपनी प्रतिष्ठा मानना अनुचित क्यों है ? बड़प्पन का भाव कैसे आता है ? [3]

iii) सेठ–पुत्रों ने क्या शर्त लगाई ? शर्त लगाकर दोनों ने क्या किया ? [3]

iv) "दोनों में से एक भी थोड़ा अलग हटकर दूसरे को रास्ता देने को तैयार न था।"

a) इस कथन से उनके किस भाव का पता चलता है ? [1]

1) निर्दयता का 2) बड़प्पन का
3) अहंकार का 4) कृतघ्नता का

b) प्रतिष्ठा कैसे अर्जित की जाती है ? [1]

1) उम्र में थोड़ा बड़ा होने से 2) लम्बाई में बड़ा होने से
3) धनी परिवार में जन्म लेने से 4) स्वयं के धनोपार्जन और सत्कर्म से

c) राजदंड का भागी कौन होगा ? [1]

1) राजा की आज्ञा का उल्लंघन करने वाला
2) शर्तनामे का उल्लंघन करने वाला
3) राज्य को कर देने वाला
4) इनमें से कोई नहीं।

v) "दूसरा सेठ–पुत्र धनार्जन हेतु गया तो परन्तु उसके संकल्प में दृढ़ता का अभाव था। विषयों की लोलुपता के कारण वह प्रमाद में डूबा रहा।"

a) दूसरा सेठ–पुत्र धनार्जन में असफल क्यों रहा ? [1]

1) दृढ़ निश्चयी न होने के कारण
2) विषयों की लोलुपता के कारण
3) प्रमाद के कारण
4) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं।

b) 'लोलुपता' शब्द का सही अर्थ चुनिए :– [1]

1) लालच 2) लालची
3) लोभी 4) लालिमा

c) 'दूसरे के बारे में राजा को कुछ भी ज्ञान न था।'
रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :– [1]

1) अपरिचित 2) अनजान
3) अनभिज्ञ 4) अज्ञ

Question 3

(A) Do as directed:-

निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए :– [1]

खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।

ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए :– [1]

पूजा के योग्य व्यक्ति को ..... कहते हैं।

iii) निम्नलिखित वाक्य में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए– [1]

(a) कुछ कॉलेज के छात्र प्रधानाचार्य से मिले।

(b) कुछ छात्र कॉलेज के प्रधानाचार्य से मिले।

(c) कुछ कॉलेज छात्र प्रधानाचार्य को मिले।

(d) कॉलेज के कुछ छात्र प्रधानाचार्य से मिले।

iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए :– [1]

(a) गन्ने का रस बड़ा स्वादिष्ट होता है।

(b) आप कहाँ जा रहे हैं ?

(c) मैं चौराहे तक जाकर के आ गया।

(d) मैंने हस्ताक्षर कर दिए।

v) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान के लिए सही शब्द का चयन कीजिए :– [1]

मुझे तुमसे ऐसी ..... नहीं थी।

(a) उपेक्षा (b) अपेक्षा

(c) उत्प्रेक्षा (d) अनवेक्षा

(B) Do as directed :-

निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :–

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए :– [1]

घुटने टेकना

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए :– [1]

दादी याद आना

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए :– [1]

कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों से भिड़कर दुश्मन को ..... पड़े।

(a) उल्लू बनाना (b) नाकें चने चबाना

(c) उल्टी सीधी सुनाना (d) नकेल डालना

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए :– [1]

नौकर को चोरी करते देख मालिक को गुस्सा आ गया।

(a) एड़ी चोटी का जोर लगाना (b) पापड़ बेलना

(c) आस्तीन का साँप (d) पारा चढ़ना

(v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए :– [1]

दो मुँहा साँप होना।

(a) अपराध करते हुए पकड़े जाना (b) बहुत क्रोधित होना

(c) असावधान होना (d) दोहरा घातक होना

SECTION - B

LITERATURE [40 Marks]

(Answer four questions from this section on any three out of the four prescribed textbooks.)

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए :–

'गद्य संकलन'

Question 4

"उसने अपने सारे साहस को समेटकर दृढ़ता से कहा– माँ, मैं कानपुर जाऊँगी।"

(i) उक्त कथन से सम्बन्धित पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए। [1]

(ii) यह कथन किसने कहा है ? वह कानपुर क्यों जाना चाहती है ? [2]

(iii) इस कथन के पीछे वक्ता का क्या उद्देश्य था ? आप किस आधार पर कहेंगे कि वक्ता ने उचित कदम उठाया ? [2]

(iv) स्पष्ट कीजिए कि स्वतन्त्रता प्राप्ति के आन्दोलन में वक्ता का त्याग भी किसी देशभक्त से कम नहीं था ? [5]

Question 5 [10]

'एक संदिग्ध फल के लिए तीन हजार का खर्च उठाना बुद्धिमत्ता के प्रतिकूल है।' 'पुत्र–प्रेम' नामक कहानी के आलोक में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

Question 6

'मजबूरी' कहानी में नारी मन की कोमल भावनाओं और अंतर्द्वन्द्व का मर्मस्पर्शी चित्रण हुआ है।' इस कथन की विवेचना कीजिए। [10]

'काव्य मंजरी'

Question 7

सहसा यह सुन पड़ा कि–कैसे
यह अछूत भीतर आया ?
पकड़ो, देखो, भाग न जाए,
बना धूर्त है यह कैसा,
साफ स्वच्छ परिधान किए हैं
भले मनुष्यों के जैसा।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए। [1]

(ii) 'अछूत' से क्या आशय है ? उससे ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है ? [2]

(iii) 'भले मनुष्यों के जैसा' किसको कहा जा रहा है ? कविता के प्रसंग में समझाइए। [2]

(iv) इस कविता में कवि ने किस भेदभाव को उजागर किया है ? वह किस प्रकार देश की प्रगति में बाधक है ? समझाकर लिखिए। [5]

Question 8 [10]

सूरदास ने कृष्ण की बाल–लीलाओं का सुन्दर चित्रण किया है। पाठ्यक्रम में संकलित पदों के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

Question 9 [10]

'कबीर की वाणी धार्मिक परिवेश की शुद्धता पर बल देते हुए एक क्रांतिकारी और सुधारक संत कवि की छवि को उजागर करती है।' स्पष्ट कीजिए।

'सारा आकाश'

Question 10

"इच्छा होती है कि उसके पति को पकड़कर भरे बाजार में ठोकरों और कोड़ों से खूब पीटूँ– राक्षस अपनी फूल–सी बहन हमने इसलिए तुझे दी थी ?"

(i) 'सारा आकाश' उपन्यास के लेखक का नाम लिखते हुए बताइए कि यह किस काल की रचना है ? [1]

(ii) मुन्नी का पति मुन्नी पर क्या–क्या अत्याचार करता था ? [2]

(iii) मुन्नी के पति के प्रति समर के क्या विचार हैं ? [2]

(iv) पति के त्यागने के बाद मुन्नी की स्थिति का वर्णन कीजिए। [5]

Question 11 [10]

'सारा आकाश' उपन्यास में संयुक्त परिवार की अनेक समस्याओं को प्रस्तुत किया गया है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Question 12 [10]

'सारा आकाश' उपन्यास में 'समर' का चरित्रांकन यथार्थवाद के धरातल पर किया गया है। उक्त कथन को ध्यान में रखकर समर का चरित्र–चित्रण कीजिए।

#####